ISBN : 978-81-941349-9-2

साहित्य जगत

और

नारी की भूमिका

प्रकाशक
सोशल रिसर्च फाउण्डेशन
कानपुर

सम्पादिका
डॉ० अलका द्विवेदी

साहित्य जगत और नारी की भूमिका

सम्पादिका

डॉ0 अलका द्विवेदी

सह–आचार्या (हिन्दी विभाग)

जुहारी देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

Social Research Foundation, Kanpur

प्रकाशक

सोशल रिसर्च फाउण्डेशन

128/170, एच ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर–11

(सम्पर्क) 0512-2600745, 9335332333

मूल्य : 250 रुपये मात्र

Title	:	साहित्य जगत और नारी की भूमिका
Editor	:	Alka Dwivedi
Publisher	:	Social Research Foundation
Publisher Address	:	128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur Uttar Pradesh, India
Printer's Detail	:	Social Research Foundation
Printer's Address	:	128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur Uttar Pradesh, India
Edition	:	1st Edition, 2020
ISBN	:	978-81-941349-9-2
Cover Clips Source	:	Internet

Copy Right © Publisher

Social Research Foundation, Kanpur

प्राक्कथन

सुधीजनों, आपके समक्ष उपरोक्त शीर्षक संबंधित पुस्तक प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। चूंकि यह विषय कोई नया विषय नही है, पूर्व में कई विद्वान लेखकगण इस विषय पर बहुत लेखकीय, संपादकीय कार्य कर चुके है परंतु फिर भी यह एक ऐसा विषय है जिस और जितनी चर्चा की जाय, कम ही है। कारण, नारी साहित्य से नही बनी है, हां साहित्य जरूर नारी से बना है।

जी हाँ, ऐसे ही विषय पर चर्चा के लिए प्रस्तुत पुस्तक में नौ सम्मानित लेखकों को शामिल किया गया है जिनमें से प्रमुख रूप से मथुरा से निधि शर्मा जी ने 'हिंदी साहित्य जगत और नारी' विषय पर चर्चा की है। नीरज शर्मा, पश्चिम बंगाल से 'हिंदी कथा–साहित्य जगत में नारी का योगदान' विषय पर अपनी बात लिखते है। विभाषा मिश्रा, रायपुर से 'स्त्री–विमर्श की भारतीय पिठिका' विषय पर अपनी बात रखती हैं। रश्मि गोयल, गाजियाबाद से 'समकालीन हिंदी साहित्य में नारी की सक्रिय भूमिका' विषय पर अपना लेख लिखती हैं। एस.एन. वर्मा, श्रावस्ती से 'साहित्य जगत और नारी की भूमिका : एक समाजशास्त्रीय अवलोकन' लेख में अपनी विहंगम दृष्टि रखते हैं। विवेक गुप्ता, पश्चिम बंगाल से 'हिंदी संस्मरण लेखन में महिला लेखिकाओं का योगदान' विषय पर चर्चा करते हैं। अनीता प्रजापत, श्रीगंगानगर से 'हिंदी उपन्यास लेखन में नारी की भूमिका' विषय पर चर्चा करती हैं। संगीता, झुन्झूनूँ, राजस्थान ने 'हिंदी साहित्य में नारी–विमर्श' शीर्षक में अपना पक्ष रखा है। उसी प्रकार अंजना कुमारी, आसनसोल, पश्चिम बंगाल ने 'छायावादी कवित्री : महादेवी वर्मा' विषय पर अपना लेख भेजा है।

Social Research Foundation, Kanpur

उपरोक्त सभी लेख एक से एक ज्ञानवर्धक सामग्री अपने में समाहित किए हुए हैं। मैं सभी लेखकों को इस यज्ञ में अपनी महत्वपूर्ण आहुति देने के लिए कोटि–कोटि धन्यवाद अदा करती हूं।

– डॉ0 अलका द्विवेदी

Social Research Foundation, Kanpur

Contents

S. No.	Chapter	Page No.
1.	**हिन्दी साहित्य जगत और नारी** निधि शर्मा, मथुरा, उत्तर प्रदेश, भारत	01-13
2.	**हिंदी कथा–साहित्य जगत में नारी का योगदान** नीरज शर्मा, पश्चिम बंगाल, भारत	14-27
3.	**स्त्री–विमर्श की भारतीय पीठिका** विभाषा मिश्र, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत	28-36
4.	**समकालीन हिन्दी साहित्य में नारी की सक्रिय भूमिका** रश्मि गोयल, गाजियाबाद, उ0प्र0, भारत	37-43
5.	**साहित्य जगत और नारी की भूमिका : एक समाजशास्त्रीय अवलोकन** एस.एन.वर्मा, श्रावस्ती, बिहार, भारत	44-49
6.	**हिन्दी संस्मरण लेखन में महिला लेखिकाओं का योगदान** विवेक गुप्ता, पश्चिम बंगाल, भारत	50-57
7.	**हिन्दी उपन्यास लेखन में नारी की भूमिका** अनिता प्रजापत, श्रीगंगानगर, राजस्थान, भारत	58-70

Social Research Foundation, Kanpur

8.	**हिन्दी साहित्य में नारी–विमर्श** संगीता, झुन्झूनूँ, राजस्थान, भारत	**71-77**
9.	**छायावादी कवयित्री : महादेवी वर्मा** अंजना कुमारी, आसनसोल, पश्चिम बंगाल, भारत	**78-80**

Social Research Foundation, Kanpur